सार समाचार

वैष्णो देवी यात्रा के लिए आज से ऑनलाइन पंजीयन

जम्मू, वार्ता। श्री माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और हेलिकॉप्टर बुकिंग बुधवार से शुरू हो जाएगी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रमेश कुमार ने यहां मंगलवार को यूनीवार्ता को बताया कि वैष्णो देवी ऑनलाइन यात्रा रजिस्ट्रेशन और हेलिकाप्टर बुकिंग 26 अगस्त से पांच सितंबर तक उपलब्ध रहेगी। उन्होंने कहा,"यह एक सतत प्रक्रिया होगी और तीर्थयात्री ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं और कटरा पहुंचने से पहले अपने हेलीकॉप्टर टिकट बुक करा सकते हैं।" आधिकारिक जानकारी के अनुसार, अन्य राज्यों से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए कोटा 100 से बढ़ाकर 250 प्रति दिन कर दिया गया है। इससे पहले सोमवार को, श्राइन बोर्ड ने जम्मू-कश्मीर के बाहर से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए कोरोना निगेटिव परीक्षण रिपोर्ट अनिवार्य कर दी है, जो 48 घंटे से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। श्री कुमार ने कहा,"श्री माता वैष्णो देवी यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर के बाहर से आने वाले सभी भक्तों से वैध कोरोना निगेटिव परीक्षण रिपोर्ट लाने का अनुरोध किया गया है जो कि आगमन के समय 48 घंटे से अधिक पुरानी न हो।"

कोरोना से सीआरपीएफ जवान की मौत

श्रीनगर, वार्ता। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के प्रकोप से जम्मू-कश्मीर में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक और जवान की यहां अस्पताल में मौत हो गई। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि जवान सीआरपीएफ की 162 बटालियन में तैनात था और छह दिन पहले कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद उन्हें एसके इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंस में भर्ती कराया गया था। पैंतालिस वर्षीय जवान की आज सुबह मौत हो गई।

इससे पहले गुरुवार को कोरोना से संक्रमित एक जवान की श्रीनगर में मौत हो गई थी। कश्मीर घाटी में कोरोना वायरस से अब तक सीआरपीएफ के 10 से अधिक जवानों की मौत ही चुकी है।

प्रशासन/राजनीति

पत्र लिखने वाले नेताओं ने कहा: हम विरोधी नहीं

कहा, कांग्रेस नेतृत्व को कभी चुनौती नहीं दी।

नई दिल्ली ■ भाषा

कांग्रेस में सामूहिक नेतृत्व और पूर्णकालिक एवं सक्रिय अध्यक्ष की मांग को लेकर सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले 23 नेताओं में शामिल कई ने मंगलवार को कहा कि उन्हें विरोधी नहीं समझा जाए और उन्होंने कभी भी पार्टी नेतृत्व को चुनौती नहीं दी।

कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की हंगामेदार और मैराथन बैठक के एक दिन बाद इन नेताओं ने यह भी कहा कि पत्र लिखने का मकसद कभी भी सोनिया गांधी या राहुल गांधी के नेतृत्व पर अविश्वास जताना नहीं था और वे सोनिया के अंतरिम अध्यक्ष बने रहने के फैसले का स्वागत करते हैं।

पार्टी के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने कहा कि यह किसी पद के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए है जो उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है। वह भी इन 23 नेताओं में शामिल हैं।

उन्होंने ट्वीट किया, ''यह पद के लिए नहीं है। यह मेरे देश के लिए है, जो सबसे ज्यादा महत्व रखता है।''

गौरतलब है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिब्बल ने यह टिप्पणी उस वक्त की है कि जब एक दिन पहले ही कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में राहुल गांधी की एक कथित टिप्पणी और फिर उन पर सिब्बल की तरफ से निशाना साधे जाने के बाद विवाद हो गया था। बाद में सिब्बल ने कहा कि खुद राहुल गांधी ने उन्हें सूचित किया कि उनके हवाले से जो कहा गया है वो सही नहीं हैं और ऐसे में वह अपना पहले का ट्वीट वापस लेते हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने कहा कि पत्र लिखने वाले नेताओं का इरादा देश के मौजूदा माहौल को लेकर 'साझा चिंताओं' से नेतृत्व को अवगत कराना था और यह सब पार्टी के हित में किया गया।

पार्टी सांसद विवेक तन्खा के एक ट्वीट के जवाब में शर्मा ने कहा, ''अच्छा कहा। पार्टी के हित में और देश के मौजूदा माहौल एवं संविधान के बुनियादी मूल्यों पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर अपनी चिंताओं से अवगत कराने के लिए पत्र लिखा गया।''

पत्र लिखने वाले नेताओं में शामिल राज्यसभा सदस्य तन्खा ने ट्वीट किया, ''हम विरोधी नहीं हैं, बल्कि पार्टी को फिर से मजबूत करने के पैरोकार हैं। यह पत्र नेतृत्व को चुनौती देना नहीं था, बल्कि पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से कदम उठाने के लिए था। चाहे अदालत हो या फिर सार्वजनिक मामले हों, उनमें सत्य ही सर्वश्रेष्ठ कवच होता है। इतिहास बुजदिल को नहीं, बहादुर को स्वीकारता है।''

इनके इस ट्वीट के जवाब में कांग्रेस महासचिव मुकुल वासनिक ने कहा कि इस पत्र को अपराध के तौर पर देखने वालों को आज नहीं तो कल, इसका अहसास जरूर होगा कि पत्र में उठाए गए मुद्दे विचार योग्य हैं। वासनिक ने भी पत्र पर हस्ताक्षर किये हैं।

इन 23 नेताओं में शामिल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने सोनिया गांधी के नेतृत्व की तारीफ करते हुए और उनके अंतरिम अध्यक्ष बने रहने का स्वागत करते हुए यह भी कहा कि पत्र का मकसद पार्टी को अगले लोकसभा चुनाव और अन्य चुनावों के लिए तैयार करना था तथा पार्टी के प्रति उनकी वफादारी जीवन भर रहेगी। साथ ही, मोइली ने कहा कि यह 'स्वीकार्य तथ्य' है कि पार्टी का मौजूदा संगठन कांग्रेस की सोच को आगे ले जाने और लोकतंत्र की रक्षा करने की स्थिति में नहीं है।

दूसरी तरफ, इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले एक अन्य नेता ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''सीडब्ल्यूसी की बैठक में जो नतीजा निकला, उससे हम संतुष्ट हैं। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले कई नेता सीडब्ल्यूसी की बैठक में मौजूद थे और सबने प्रस्ताव पर सहमति जताई।''

उन्होंने कहा, ''हमने कभी सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व पर कोई अविश्वास नहीं जताया और सोनिया जी जो भी कदम उठाएंगी , वो हमें मंजूर होगा।''

पत्र लिखने वालों पर निशाना साधने वाले कांग्रेस नेताओं पर बरसते हुए इस नेता ने कहा, ''हम पार्टी को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं, किसी के खिलाफ काम नहीं कर रहे हैं। जो हम पर आरोप लगा रहे हैं वो सिर्फ चापलूसी कर रहे हैं। अगर यह जारी रहा तो पार्टी का नुकसान होगा।'' यह पूछे जाने पर कि क्या पत्र को अब सार्वजनिक रूप से जारी कर दिया जाएगा तो उन्होंने कहा, ''पत्र को जारी करने का मतलब नहीं है जब इसे बैठक में रख दिया गया और उस पर चर्चा हो गई।''

पत्र लिखने वाले कई अन्य नेताओं से भी संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने इस मामले पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

सीडब्ल्यूसी ने सोमवार को करीब सात घंटे तक चली मैराथन बैठक के बाद सोनिया गांधी से पार्टी का अंतरिम अध्यक्ष बने रहने का आग्रह किया और उन्हें जरूरी संगठनात्मक बदलाव के लिए अधिकृत किया। पार्टी के 23 नेताओं की ओर से नेतृत्व के मुद्दे पर सोनिया को लिखे गए पत्र से खड़े हुए विवाद की पृष्ठभूमि में हुई यह बैठक हंगामेदार रही और इसमें तकरीबन सभी नेताओं ने सोनिया गांधी के नेतृत्व में विश्वास जताया। कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारण इकाई ने नेताओं को कांग्रेस का अनुशासन एवं गरिमा बनाए रखने के लिए अपनी बातें पार्टी के मंच पर रखने की नसीहत दी और कहा कि किसी को भी पार्टी एवं इसके नेतृत्व को कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सोनिया और राहुल गांधी कांग्रेस को खत्म कर देंगे

नागपुर ■ भाषा

उत्तरप्रदेश भाजपा के नेता साक्षी महाराज ने मंगलवार को कहा कि सोनिया गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी को ''खत्म करने के लिए काफी'' हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत से यहां संघ मुख्यालय में मुलाकात करने के बाद महाराज ने कहा, ''कांग्रेस डूब रही है।''

भाजपा नेता ने कहा कि यह ''शिष्टाचार दौरा है।'' संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ''अपने कृत्यों के कारण डूब रही है और हमें कुछ करने की जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''(कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष) सोनिया गांधी और राहुल गांधी कांग्रेस को खत्म करने के लिए काफी हैं और किसी को कुछ करने की जरूरत नहीं है।'

महाराज ने कहा कि यह ''दुर्भाग्यपूर्ण'' है कि देश में विपक्ष नहीं है। उत्तरप्रदेश की राजनीति पर महाराज ने कहा कि योगी आदित्यनाथ देश के सबसे अच्छे मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा, ''अयोध्या में जल्द ही भगवान राम का भव्य मंदिर बनेगा।''

राज्यों के जीएसटी बकाया का भुगतान करे केंद्र : कांग्रेस

नई दिल्ली ■ भाषा

कांग्रेस ने 27 अगस्त को होने जा रही जीएसटी परिषद की अगली बैठक से पहले मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने से राज्यों को हुए राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजे का पूरा एवं समय से भुगतान करना चाहिए।

पार्टी प्रवक्ता राजीव गौड़ा ने यह सवाल भी किया कि अगर केंद्र सरकार जीएसटी के मुआवजे के भुगतान के अपने वादे पर अमल नहीं कर सकती तो फिर वह किस आधार पर सहयोगात्मक संघवाद की बात करती है?

उन्होंने वीडियो लिंक के माध्यम से संवाददाताओं से कहा, ''भारतीय स्टेट बैंक ने कहा है कि वित्त वर्ष 2021 में राज्यों को छह लाख करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होगा। केंद्र सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था का कुप्रबंधन करने के कारण इतने बड़े पैमाने पर नुकसान

होने जा रहा है।'' गौड़ा ने कोरोना वायरस संकट के कारण राज्यों को हुए नुकसान का उल्लेख करते हुए कहा, ''यह मुश्किल समय है। हमारी मांग है कि सरकार राज्यों को मुआवजे की पूरी राशि दे और समय पर दे।''

उन्होंने केंद्र से आग्रह किया कि कर्ज लेने की जरूरत को भी केंद्र द्वारा पूरा किया जाए और जीएसटी मुआवजा उपकर के संग्रह की मियाद पांच साल से बढ़ाकर 10 साल की जाए।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी कानून के तहत राज्यों को जीएसटी लागू होने के बाद के 5 साल तक किसी भी कर नुकसान की भरपाई केंद्र सरकार को करनी है। राजस्व में इस कमी की गणना यह कल्पना करके की जाती है कि राज्य के राजस्व में सालाना 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी, जिसके लिए आधार वर्ष 2015-16 रखा गया है। पंजाब के वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता मनप्रीत बादल ने कहा, ''हिंदुस्तान में पिछले दिनों प्रवासी मजदूरों के पलायन के जो काफ़िले देखे गए, वैसे मंजर हमने पंजाब में देखे थे जब देश का बंटवारा हुआ था। ऐसे हालात में केंद्र सरकार को राज्यों की स्थिति को समझना चाहिए।'' उनके मुताबिक, पंजाब का केंद्र सरकार पर जीएसटी का 4400 करोड़ रुपये बकाया है, जबकि प्रदेश सरकार के कर्मचारियों के वेतन पर 1800 करोड़ रुपये खर्च होता है। ऐसे स्थिति में राज्य चलाना मुश्किल है। बादल ने कहा कि सरकार को राज्यों को जीएसटी के बकाये की राशि तत्काल देनी चाहिए।

भाजपा ने उप्र को बना दिया अपराधियों की शरणस्थली

लखनऊ ■ वार्ता

समाजवादी पार्टी(सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) सरकार पर उत्तर प्रदेश को अपराधियों की शरणस्थली बना दिये जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है।

यादव ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को अपराधियों की शरणस्थली बना दिया है। उन्होंने कहा राज्य में कानून नाम की कोई चीज नही है। सपा सरकार ने राज्य को विकास और शांति-व्यवस्था के मामलों में जिस ऊंचाई पर पहुंचा दिया था भाजपा ने उसको रसातल की ओर धक्का दे दिया है। उन्होंने कहा कि हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि फर्रूखाबाद के भाजपा सांसद कह रहे है कि मुख्यमंत्री से जिस अधिकारी की शिकायत करो उसी को जांच मिल जाती है। कई विधायक अपनी मायूसी की व्यथा सुनाते रहते हैं। भाजपा की द्वेषपूर्ण राजनीति से प्रदेश में हिंसा को बल मिल रहा है। मुख्यमंत्री के वीवीआईपी जिले गोरखपुर में दिनदहाड़े डबल मर्डर हो गया। श्री यादव ने कहा कि बलिया में पत्रकार रतन सिंह को अपराधियों ने गोलियों से भून डाला। इनके दो पुत्र हैं। भाजपा राज में इसके पूर्व भी कई पत्रकारों की कर्तव्यपालन के दौरान हत्याएं हुई हैं। आजमगढ़ में बीडीसी सदस्य की गोली मारकर हत्या हुई। सुल्तानपुर में आबकारी सिपाही को गोली मारी गई। बाराबंकी में युवक की धारदार हथियार से हत्या की गई। गाजियाबाद में युवक को छह गोलियां मारी गई। फैजाबाद में भाजपा नेता की हत्या हुई। लखीमपुर में स्कॉलरशिप फार्म भरने गई 18 साल की लड़की की रेप के बाद हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि बागपत में 8वीं कक्षा की दलित छात्रा को अगवाकर उसके साथ गैंगरेप हुआ। उन्नाव में मासूम की गला काटकर हत्या हुई। बिजनौर में एक युवक की और फतेहपुर में भी युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। प्रयागराज में समाजवादी नेता पुनीत पाण्डेय पर हमला किया गया। उन्होंने कहा कि राजधानी लखनऊ भी अपराध नगरी बनती जा रही है।

सुर्खियां

पत्रकार हत्या मामला : थाना प्रभारी निलंबित, छह आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ/बलिया ■ भाषा

पत्रकार रतन सिंह की हत्या के मामले में बलिया जनपद के फेफना थाना के प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। अपर पुलिस अधीक्षक संजय यादव ने मंगलवार को बताया कि टीवी चैनल के पत्रकार रतन सिंह के पिता विनोद सिंह की शिकायत पर सोमवार रात फेफना थाना में भारतीय दंड संहिता की बलवा एवं हत्या से संबंधित धारा में दस व्यक्तियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने छह आरोपियों - सुशील सिंह, सुनील सिंह, अरविंद सिंह, वीर बहादुर सिंह, दिनेश सिंह और विनय सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। यादव ने बताया कि विनोद सिंह के मुताबिक उनके पुत्र को गांव का ही सोनू सिंह कल रात आठ बजे घर से बुलाकर ले गया तथा उसके घर पर पहले से ही मौजूद लोग लाठी, डंडे और रिवॉल्वर से लैस थे। इन लोगों ने रतन की हत्या कर दी। यादव ने बताया कि इस मामले में फेफना थाना प्रभारी शशि मौली पांडेय को निलंबित कर दिया गया है तथा राजीव मिश्रा को नया प्रभारी बनाया गया है। साथ ही कहा कि शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत पत्रकार रतन सिंह के परिजन को 10 लाख रुपये आर्थिक मदद देने का मंगलवार को एलान किया।

मौसम पुर्वानुमान

देश के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के आसार

पुणे ■ वार्ता

ओडिशा के कुछ हिस्सों में भारी और कहीं-कहीं अगले 24 घंटे के दौरान अतिवृष्टि होने का अनुमान है जबकि पश्चिम राजस्थान में तेज से बहुत तेज तथा जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगिट-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर पंजाब, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल में गंगा के तटवर्ती इलाके, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, गुजरात , तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और आंतरिक

तमिलनाडु में भारी बारिश होने के आसार हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल में गंगा के तटवर्ती इलाके, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरा, त्रिपुरा, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल और माहे में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

दक्षिण पश्चिम और उससे सटे पश्चिम मध्य अरब सागर में 45-55 किमी प्रति घंटे की तेज गति तक हवा चलने के आसार हैं। उत्तर अरब सागर के साथ और गुजरात तट के साथ, बंगाल की उत्तरी खाड़ी और ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट

पर 50-60 किमी प्रति घंटे की तेज गति तक हवा चल सकती है इसलिए मछुआरों को सलाह दी गयी है कि अगले 24 घंटों के दौरान इन समुद्री इलाकों में नहीं जाएं।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगिट- बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, ओडिशा, झारखंड, तटीय आंध्र प्रदेश, असम , मेघालय, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग अलग स्थानों में सोमवार को 08.30 बजे से मंगलवार को 08.30 बजे के बीच तेज हवा के साथ बारिश हुयी।

दक्षिण पश्चिम मानसून पश्चिम राजस्थान और गुजरात में अतिसक्रिय रहा जबकि मध्य महाराष्ट्र में मानसून सक्रिय रहा। अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पूर्वी मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, विदर्भ, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और केरल में मानसून कमजोर रहा।

पिछले 24 घंटे के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण, गोवा और तटीय कर्नाटक में अधिकांश स्थानों पर तथा पश्चिम बंगाल में गंगा के तटवर्ती इलाके, ओडिशा, झारखंड, हरियाणा, पश्चिम राजस्थान, पूर्वी राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र और उत्तर कर्नाटक में कई स्थानों पर बारिश हुयी। असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल के पर्वतीय हिस्से, सिक्किम, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, विदर्भ, तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर तथा बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, पूर्व मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मराठवाड़ा, तेलंगाना, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और केरल में अलग-थलग स्थानों पर बारिश हुयी या फिर गरज केसाथ छींटे पड़े। अरुणाचल प्रदेश में मौसम शुष्क रहा।

प्रादेशिक : समाचार

भगवान पद्मनाभ स्वामी मंदिर आज से श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा

तिरुवनंतपुरम, भाषा। केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित प्रसिद्ध पद्मनाभ स्वामी मंदिर में करीब पांच महीने के बाद बुधवार को कोविड-19 के सख्त नियमों के साथ श्रद्धालु पूजा कर सकेंगे। महामारी की वजह से मंदिर में 21 मार्च से श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति नहीं है। मंदिर के सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हमने श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था की है। सामाजिक दूरी का अनुपालन कराने के लिए फर्श पर निशान बनाए गए हैं और अवरोधक लगाए गए हैं।'' श्रद्धालुओं को मंदिर जाने से एक दिन पहले शाम पांच बजे तक 'एसपीएसटी डॉट इन' पर दर्शन के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा और मंदिर आने पर पंजीकरण की प्रति और आधार की मूल प्रति साथ रखनी होगी। सूत्रों ने बताया कि मंदिर में श्रद्धालुओं को उत्तरी द्वारा से प्रवेश दिया जाएगा और प्रवेश से पहले रजिस्टर में उन्हें अपनी विस्तृत जानकारी दर्ज करानी होगी। मंदिर में एक बार में 35 श्रद्धालुआ दर्शन कर सकेंगे और एक दिन में श्रद्धालुओं की अधिकतम संख्या 665 होगी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों की उम्र 60 साल से अधिक और 10 साल से कम होगी, उन्हें मंदिर आकर दर्शन करने की अनुमति नहीं होगी। मंदिर की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक सुबह आठ बजे से 11 बजे तक और शाम पांच बजे से 6 बजकर 45 मिनट पर दीप अराधना तक दर्शन का समय होगा।

दंपति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बांदा, भाषा। उत्तर प्रदेश में बांदा जिले के तिंदवारी क्षेत्र में आपसी कहासुनी के बाद एक दंपति ने फांसी लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। अपर पुलिस अधीक्षक महेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने मंगलवार को बताया कि तिंदवारी थाना क्षेत्र के बेंदा गांव में मंगलवार सुबह संतोष (22) और उसकी पत्नी आरती (20) के शव घर के अंदर अलग-अलग फांसी के फंदे पर लटके हुए मिले।

उन्होंने बताया कि परिजन की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दंपति के शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिये हैं। मामले की जांच शुरू कर दी गयी है। उन्होंने बताया, ''दंपति के परिजनों के मुताबिक संतोष और आरती की एक साल पूर्व शादी हुई थी। सोमवार देर रात किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। आशंका जतायी जा रही है कि इसी वजह से दोनों ने फांसी लगा ली।

टायटन बायोटेक लिमिटेड

पंजी. कार्यालय: ए-902ए, रीको इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-III, भिवाड़ी, राजस्थान-301019
CIN : L74999RJ1992PLC013387
फोन: 011 27674615, वेबसाईट: www.titanbiotechltd.com
ई-मेल: cs@titanbiotechltd.com, hrd@titanbiotechltd.com

टायटन बायोटेक लिमिटेड की 28वीं AGM की सूचना वीडियो कान्फ्रेन्स के या अन्य आडियो-विजुअल के माधयम से ई-वोटिंग की सुविधा के लिए

यह सूचित करना है कि कोविड –19 महामारी के प्रकोप के मद्देनजर, टाइटन बायोटेक लिमिटेड (कंपनी) की **28वीं वार्षिक आम बैठक** (AGM/बैठक) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (VC) सुविधा के माध्यम से बुलाई जाएगी /अन्य ऑडियो विजुअल का मतलब है (OVAM)। कंपनी अधिनियम, 2013 के लागू प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुपालन में, कॉरपोरेट मामलो के मंत्रालय (MCA) द्वारा जारी किये गये सामान्य परिपत्रों को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) द्वारा जारी किए गए परिपत्रों के साथ पढ़ा जायेगा। कंपनी के सदस्यों की 28वीं AGM **2:30 बजे (भारतीय मानक समय) शुक्रवार, 25 सितंबर, 2020** को आयोजित की जाएगी। VC सुविधा/OVAM के माध्यम से CDSL द्वारा प्रदान किए गए व्यवसायों को लेन–देन करने के लिए दिया गया था, जैसा कि AGM के नोटिस में दिया है।
कंपनी की एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट की ई–कॉपी वित्तीय वर्ष 2019–2020 के लिए AGM, वित्तीय विवरणों और अन्य वैधानिक रिपोर्टों के नोटिस के साथ कंपनी की वेबसाइट www.titanbiotechltd.com और सीडीएसएल की वेबसाइट www.cdslindia.com पर उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त, एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट 2019–2020 के साथ AGM की सूचना स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइटों अर्थात् www.bseindia.com पर भी उपलब्ध होगी, जिस पर कंपनी की प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध किया गया है। सदस्य केवल VC सुविधा /OVAM के माध्यम से AGM में भाग ले सकते है, जिसका विवरण कंपनी द्वारा बैठक की सूचना में प्रदान किया जाएगा। एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट 2019–2020 के साथ AGM की सूचना इलेक्ट्रॉनिक रूप से केवल उन सदस्यों को भेजी जाएगी, जिनके ई–मेल पते कंपनी/RTA के साथ पंजीकृत हैं। इसके अलावा, AGM और एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट के नोटिस का कोई भी भौतिक रूप से किसी भी सदस्य को नहीं भेजा जाएगा।
जिन सदस्यों ने अभी तक अपने ई–मेल पते पंजीकृत नहीं किए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन करें:
इलेक्ट्रॉनिक रूप से AGM और एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट की सूचना प्राप्त करने के लिए और रिमोट ई–वोटिंग के लिए लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने के लिए अपने ई–मेल पते दर्ज करने के लिए:
क. **भौतिक शेयरधारकों के लिए**–कृपया आवश्यक विवरण जैसे कि फोलियो नंबर, शेयरधारक का नाम, शेयर प्रमाणपत्र की स्कैन की गई कॉपी (आगे और पीछे), पैन (पैन कार्ड की स्व–सत्यापित स्कैन की गई प्रति), आधार कार्ड के लिए (स्व–सत्यापित स्कैन की गई आधार की प्रति) hrd@titanbiotechltd.com/ beetalrta@gmail.com पर ईमेल द्वारा प्रदान करें ।
ख. **डीमैट शेयरधारका के लिए** – कृपया डीमैट खाता विवरण (सीडीएसएल –16 अंक लाभार्थी आईडी या एनएसडीएल –16 अंक डीपीआईडी, सीएलआईडी), नाम, ग्राहक मास्टर या समेकित खाता विवरण की प्रति, पैन (पैन कार्ड की स्व–सत्यापित स्कैन कॉपी) आधार कार्ड के लिए (स्व–सत्यापित स्कैन की गई आधार की प्रति) hrd@titanbiotechltd.com/ beetalrta@gmail.com पर प्रदान करें ।
जिन सदस्यों ने इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सेवा या किसी अन्य माध्यम से सीधे अपने बैंक खातों में लाभांश प्राप्त करने के लिए अपने बैंक खाते के विवरण को अपडेट नहीं किया है, वे 10 सितंबर, 2020 को या उससे पहले नीचे दिए गए निर्देशों का पालन कर सकते हैं

भौतिक शेयरपूजीं	ईमेल पते को पंजीकृत करने के लिए कंपनी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट, बीटल फाइनेंशियल एंड कंप्यूटर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को फोलियो नंबर, शेयरहोल्डर का नाम, शेयर सर्टिफिकेट की स्कैन की गई कॉपी (आगे और पीछे), पैन (पैन कार्ड की स्वप्रमाणित स्कैन कॉपी), आधार (आधार कार्ड की स्वप्रमाणित स्कैन कॉपी) beetalrta@gmail.com पर एक अनुरोध भेजें । बैंक खाते के विवरण को अद्यतन करने के लिए अतिरिक्त विवरण दिए जाने की आवश्यकता है: क) बैंक का नाम और शाखा जिसमें आप लाभांश प्राप्त करना चाहते हैं, ख) बैंक खाता प्रकार, ग) कोर बैंकिंग सॉल्यूशंस के कार्यान्वयन के बाद उनके बैंकों द्वारा आवंटित बैंक खाता संख्या घ) 9 अंक MICR कोड संख्या, और ड.) 11 अंकों का आईएफएससी कोड च) पहले शेयरधारक के नाम को रद्द करने वाली चेक की स्कैन की हुई कॉपी ।
डीमैट शेयरपूजीं	कृपया अपने डिपॉजिटरी सहभागी (डिपी) से संपर्क करें और अपने डीपी द्वारा दी गई सलाह की प्रक्रिया के अनुसार अपने ईमेल पते और बैंक खाते के विवरण को अपने डीमैट खाते में पंजीकृत करें ।

किसी भी सदस्य के बैंक विवरण उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में कोविड –19 के प्रकोप के मद्देनजर, डाक सेवाओं और अन्य गतिविधियों के सामान्यीकरण पर, कंपनी ऐसे सदस्य को लाभांश अधिपत्र/चेक डाक से भेज देगी ।
सदस्यों के हाथों में लाभांश आय 1 अप्रैल, 2020 से कर योग्य होगी और कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 में निर्धारित दरों पर सदस्यों को भुगतान किए गए लाभांश से स्रोत पर कर की कटौती (TDS) करने की आवश्यकता है। कृपया 10.09.2020 पर या उससे पहले प्रासंगिक विवरण प्रस्तुत करें। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.titanbiotechltd.com पर जाये ।

टाइटन बायोटेक लिमिटेड
हस्ता./-
चरणजीत सिंह
कंपनी सचिव

स्थान: दिल्ली
दिनांक: 24.08.2020